पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 03 | अंकः 17 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शनिवार 7 दिसम्बर, 2024 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ- प्रदेशभर में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का होगा आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं मे अभूतपूर्व सुधार और नवाचार हो रहे हैं। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पहल पर प्रदेशभर में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों का आयोजन 15 दिसम्बर, 2024 से 31 जनवरी, 2025 तक सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर किया जाएगा।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस संबंध में सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए है। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के साथ समुचित समन्वय करते हुए शिविरों में आमजन की अधिकाधिक भागीदारिता सुनिश्चित करने तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

विशेषज्ञ चिकित्सकों से मिलेगा परामर्श

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इन शिविरों में एलोपैथी के साथ ही आयुष पद्धति के माध्यम से भी रोगों का निदान एव उपचार किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेलीकंसल्टेशन से भी नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं

की प्रसव पूर्व जांच, बच्चों का टीकाकरण, असंक्रामक रोग यथा डायबिटीज, हाइपरटेंशन, कॉमन कैंसर एवं अंधता रोगियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। मरीज को आवश्यकता होने पर एम्बुलेंस के माध्यम से उच्च चिकित्सा संस्थान पर ले जाकर भी उपचारित किया जाएगा। इन सभी शिविरों में 37 प्रकार की जांच सुविधा निःशुल्क उपलब्ध होंगी।

ब्लॉक स्तर फोलोअप एवं जिला स्तर पर रेफरल शिविर

गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र उपचार की दृष्टि से पंचायत समिति मुख्यालयों पर फोलोअप एवं जिला स्तर पर रेफरल शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार किया जाएगा, साथ ही फॉलोअप शिविरों में भी अतिविशिष्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेलीकंसल्टेशन की सेवाएं ली जाएंगी। शिविरों में मेडिकल बोर्ड के माध्यम से जाँच करवाकर दिव्यांगजन को यूडीआईडी प्रमाण पत्र भी जारी किए जाएंगे।

हज यात्रा-2025, ट्रेनर्स के लिए ऑनलाईन आवेदन 13 दिसम्बर तक आमंत्रित

जयपुर(नि.सं.)। हज यात्रा–2025 में चयनित हज यात्रियों को हज अरकान, व्यवस्थागत निर्देशों एवं संबंधित गतिविधियों की जानकारी दिये जाने हेतु ट्रेनर्स की ट्रेनिंग के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 13 दिसम्बर, 2024 तक आंमत्रित किये गये हैं। ऑनलाईन आवेदन पत्र हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट ttps://hajcommittee.gov.in पर उपलब्ध है। राजस्थान स्टेट हज कमेटी के अधिशाषी अधिकारी अबु सुफियान चौहान ने बताया कि ट्रेनर के आवेदन हेतु अभ्यर्थी के लिए कक्षा 12वीं अथवा समकक्ष पास होना तथा सूचना प्रोद्यौगिकी का ज्ञान आवश्यक है। आवेदक कम से कम एक बार हज किया हो, पिछले 05 वर्ष के दौरान हज करने वाले अभ्यर्थियों को वरियता दी जायेगी।

सर्व हिंदू समाज ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ निकाली आक्रोश रैली

चौमूं (संस्कार सृजन)। शहर के बस स्टैंड स्थित गढ़ गणेश मंदिर से सर्व हिंदू समाज के लोगों ने एकत्रित होकर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ आक्रोश रैली निकाली । इस रैली में सभी हिंदूवादी संगठनों ने हिस्सा लिया। रैली निकाल रहे लोगों ने बताया कि सर्व हिंदू समाज की ओर से बांग्लादेश सरकार के खिलाफ आक्रोश रैली का आयोजन किया गया, क्योंकि बांग्लादेश में हिंदूवादी धर्म के मानने वाले लोगों हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है।

हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया जा रहा है और उनके घरों को लूटा जा रहा है। आस्था के केंद्र मंदिरों में तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाएं की जा रही है। इसके अलावा इस्कॉन के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह का आरोप लगाकर गिरफ्तार किया गया तथा उनके वकील पर भी जानलेवा हमला किया गया। जिससे वहां रहने वाले हिंदू समाज के लोगों मे एक भय का माहौल उत्पन्न हो रखा है तथा उनकी जान माल को खतरा हो रहा है, इसके सहित कई कृत्य वहां सनातन धर्म के खिलाफ किया जा रहे है। इसी के विरोध में सर्व हिंदू समाज चौमूं में आक्रोश रैली का आयोजन किया।

सभी हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने गढ़ गणेश मंदिर से एकत्रित होकर थाना मोड चौराहे पर बांग्लादेश सरकार का पुतला जलाया तथा राष्टपति के नाम एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन के माध्यम से बताया कि इस बर्बरतापूर्वक कार्रवाई के खिलाफ भारत सरकार कड़ा से कड़ा एक्शन ले और वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को तुरंत प्रभाव से बंद करने के लिए प्रभावी रूप से कार्यवाही करें। इस अवसर पर हिंदूवादी संगठनों के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

असम के मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान -असम में गोमांस खाना और परोसना बैन

असम (संस्कार सृजन)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि राज्यभर के होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस न तो खाया जाएगा और न ही परोसा जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है कि ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा।

बिस्वा के आदेश पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने असम कांग्रेस को इस फैसले का स्वागत करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गोमांस मत खाओ या पाकिस्तान चले जाओ। बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गोमांस सेवन पर मौजूदा कानून में संशोधन कर नए प्रावधानों को शामिल करने का निर्णय लिया

गया। सरमा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने रेस्तराओं, होटलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने तथा खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है।''

सरमा ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने तीन साल पहले गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून पास किया था। अब हमने पूरे राज्यभर में गोमांस खाने पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। यह आदेश सभी होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक आयोजनों में लागू होगा।

उन्होंने कहा कि पहले हमने मंदिर के पांच किलोमीटर दूर तक गोमांस खाने या परोसने पर बैन लगाया था, लेकिन अब नए आदेश में हम इस आदेश को पूरे राज्य में जारी कर रहे हैं।

गोमांस मत खाओ या पाकिस्तान चले जाओ -हिमंत बिस्वा के आदेश पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने ट्वीट किया है, उन्होंने असम कांग्रेस को गोमांस पर प्रतिबंध का स्वागत करने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं असम कांग्रेस को चुनौती देता हूं कि वह गोमांस पर प्रतिबंध का स्वागत करें या पाकिस्तान में जाकर बस जाएं।

अजय चौहान बने राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन के जिलाध्यक्ष

जालोर (संस्कार सृजन)। राष्टीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण भारत संगठन के राष्टीय अध्यक्ष महेश मीणा,राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष धनपाल मीना व उत्तराखंड प्रभारी जितन अग्रवाल की अनुशंसा पर अजय चौहान को जिला जालोर के जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्ष अजय चौहान अब समाज में व्याप्त नशाखोरी,मृत्यु भोज जैसी बुराईयों को बंद करने के साथ आमजन को

अपने हक के लिए जागरूक किया करेंगे। अजय चौहान ने इस सामाजिक संगठन के माध्यम से समाज को नई दिशा देने की जिम्मेदारी देने पर संगठन का आभार व्यक्त किया।

आस्थिका एंटरटेनमेंट के मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में हुआ आस्थिका क्लब का भव्य शुभारंभ

अपर्णा बाजपेई, दीप्ति सैनी, रेशमा खान और शोभा गुप्ता करेंगी सञ्चालन

सिंगर्स ने मधुर गानों से जीता लोगों का दिल

जयपुर (संस्कार सृजन)। आस्थिका एंटरटेनमेंट द्वारा जयपुर शहर के जेएलएन मार्ग स्थित आरएएस क्लब में स्पेक्टाकुलर मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आस्थिका क्लब का भव्य शुभारंभ हुआ। आस्थिका क्लब की फाउंडर और डायरेक्टर अपर्णा बाजपेई, को-डायरेक्टर दीप्ति सैनी, मुख्य सलाहकार और संरक्षक आकाशवाणी की रेशमा खान के सानिध्य में मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम संपन्न हुआ। आस्थिका क्लब के संचालन की जिम्मेदारी मुख्य रूप से अपर्णा बाजपेई, दीप्ति सैनी, रेशमा खान और शोभा गुप्ता संभालेंगी। इनके द्वारा यह क्लब अपनी प्रेरक और अनोखी गतिविधियों की शुरुआत करेगा। इस शानदार पहल और आयोजन ने सभी उपस्थित लोगों के दिल में खास जगह बनाई। क्लब शुभारंभ के दौरान उपस्थित सिंगर्स ने मधुर गाने सुनाकर अपनी मखमली आवाज से लोगों का दिल जीत लिया। आस्थिका क्लब द्वारा आए हुए सभी लोगों को आकर्षक उपहार भी भेंट किए गए । क्लब के आगामी कार्यक्रमों के लिए सभी ने जबरदस्त उत्साह देखा गया । गौरतलब है कि आस्थिका एंटरटेनमेंट जयपुर शहर में संगीत प्रेमियों के दिलों में एक खास जगह बना चुका है, जो लगातार संगीत के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। संगीत के अलावा अब आस्थिका क्लब अन्य कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। कार्यक्रम में सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में बॉलीवुड सिंगर अंजली वर्मा, स्पेशल गेस्ट के रूप में पिंक कैफे के रिजवान एजाज, जूही एजाज, दूरदर्शन के

राजकिशोर, दामोदर तोषनीवाल, स्नेह फाउंडेशन की स्नेहलता भारद्वाज, उरुक्रम शर्मा, सुषमा शर्मा, रजनी कोठारी, मीना श्रीवास्तव, नीरा राजबंशी, पवनेश्वरी वर्मा, शिंजिनी सोलंकी, राजेश सोलंकी, असित बाजपेई, नवल किशोर शर्मा और बाबूलाल जाट ने शिरकत की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सोनाली शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के दौरान राहुल श्रीवास्तव, मुकुल कुलश्रेष्ठ, आयुषी कुलश्रेष्ठ, मनोज सक्सेना, कविता सक्सेना, किशोर क्षत्रिय, रागिनी ईश्वर, धर्मवीर भाटिया, नीरज शर्मा, स्मिता नवलखा , केके गौतम, डॉक्टर डोली शर्मा, वंशिका, प्रीती कुलश्रेष्ठ, पवन कुलश्रेष्ठ, सुनील कुमार शर्मा और चाइल्ड आर्टिस्ट शिवेन ने शानदार प्रस्तुतियाँ दी

संपादकीय

सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा करिए

हम अपने अपने धर्म को अच्छा मानें, इसमें कोई हर्ज नहीं है। किंतु दूसरे के धर्म को गलत या छोटा साबित करना छोड़ दें तो सद्भाव कायम करना आसान होगा। आखिर हमारे ईश्वर को इस तरह या उस तरह मानने से सूरज-चांद अपना रास्ता तो नहीं बदल लेंगे। हम भाजपाई हो सकते हैं या कांग्रेसी, या समाजवादी या बहुजनवादी। वाम हो सकते हैं या दक्षिण, किन्तु अंत में हम सब भारतीय हैं, और भारत की सुरक्षा, समृद्धि और आपसी सद्भाव से ही हमारा भविष्य जुड़ा है। हम कुछ भी होकर सोचें, भारत के भविष्य से हमारा भविष्य अलग नहीं हो सकता। हमें विकास चाहिए तो उसको भोगने के लिए शांतिपूर्ण माहौल भी चाहिए, जो आन्तरिक और बाह्य दोनों प्रकार से वांछित है। एक देश के अंदर हम समुदायों, संप्रदायों की भिन्नता के कारण उलझते रहें या देशों के आपसी विवादों के कारण, अंत में आम आदमी को ही इन विवादों का शिकार होना है। अधिकांश विवाद प्रभुत्व की भूख के चलते ही होते हैं। फिर चाहे बहाना आप सांप्रदायिक बना लें या आर्थिक, विस्तारवादी बना लें, विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का बना लें, निचोड़ तो प्रभुत्व की भूख ही है। प्रभुत्व के बजाय समानता को लक्ष्य बना लें तो अपने आप निष्कर्ष ऐसे आने लगेंगे जिनमें टकराव की जरूरतें ही कम होती जाएंगी। यह विश्लेषण जितना भारत के लिए प्रासंगिक है, उतना ही वैश्विक पटल के लिए भी है। फिलहाल बात तो भारत की कर लें। आजकल बड़ी दुविधाजनक स्थिति में से हम गुजर रहे हैं। विकास की दौड़ में हमें अच्छी सफलताएं मिल रही हैं तो हम सभी मिल कर उसका फल उपभोग करें, यह सर्वमान्य लक्ष्य होना चाहिए, किन्तु सरकार के यह बार-बार कहने के बाद भी उसी सरकार का दूसरा चेहरा हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहता है। राजनीतिक दलों की ऊपरी परत कुछ और कहती है और नीचे की परतें कुछ और कहती नजर आती हैं। पत्रकारिता अर्धसत्य अनुगामी होती जा रही है और उसे नियंत्रित करने के राजनीतिक और प्रशासनिक प्रयास सामने दिखने लग जाते हैं। टीवी पर जिस तरह की बहसें मुद्दों को लेकर दिखाई जाती हैं, उनसे स्पष्ट तौर पर पता चलता है कि ये आपसी भेदभाव, खासकर हिन्दू-मुस्लिम भेदभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। उनमें जिस तरह के लोगों को ज्यादातर बुलाया जाता है उनमें से नगण्य ही समाधानमुखी दृष्टिकोण लेकर बैठते हैं। चाहे हिन्दू जानकार हों या मुस्लिम, सभी ढूंढ ढूंढ कर विवाद बढ़ाने वाली बातों को उछालते दीखते हैं। अधिकांश चैनल ऐसे ही कार्यक्रम लेकर आते हैं। मुसलमान नेतृत्व में छुपे तौर पर यह भावना काम करती दिखती है कि वे तो इस देश के हुक्मरान रहे हैं, इसलिए हमारा स्तर तो कुछ विशेष ही होना चाहिए। अभी तक भी उनमें से कई 'गजवा-ए-हिन्द' जैसे अप्रासंगिक विचारों के अनुगामी दीखते हैं। और हिन्दू नेतृत्व इस हीनभावना से ग्रस्त दीखता है कि क्योंकि मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हिन्दुओं के साथ अन्याय और अत्याचार किया, इसलिए अब हमारे हाथ में बागडोर आई है, तो हम उसका बदला अब पूरा करेंगे। ये दोनों ही विचार खतरनाक हैं। क्योंकि ये दोनों विचार हमें भूतकाल में जीने की ओर ले जाते हैं, जबकि असल जिन्दगी तो वर्तमान में चलती है। हमें तो अपने वर्तमान को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करना है। और यह संघर्ष सारे भारत वासियों का सांझा संघर्ष है। जो हमें आपस में नहीं करना है, बल्कि वैश्विक, आर्थिक, पर्यावरणीय, तकनीकी, राजनीतिक, जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियों से करना है, और इसकी उपलब्धियों के फल हम सभी को सांझा करने हैं। यह बात समझना कोई कठिन बात तो नहीं है, बल्कि इससे अलग दिशा की बात को समझने के लिए ज्यादा तिकड़म और बनावटी कहानियां घडने् और समझने की जरूरत होगी। देश में बीस करोड़ के लगभग मुस्लिम आबादी है, जिसे विकास का हिस्सेदार बनाए बिना देश का विकास संभव नहीं। विकास का हिस्सेदार बनाने का यह अर्थ नहीं कि वे अपनी शर्तों पर जो चाहे वह करने का प्रयास करें, और यह भी नहीं कि हिन्दू जो बहुमत में हैं, वे अपनी मनमानी सोच को लागू करने की दिशा में बढने् का सोचने लगें। हम सभी धर्मों-पंथों, भाषाओं, क्षेत्रों के लोग बराबर के हिस्सेदार हैं। इसलिए कोई विशेषाधिकार न मांगें, यही न्यायपूर्ण विकास का मार्ग है।

मार्गशीर्ष माह में ऐसे करें दक्षिणावर्ती शंख की पूजा, प्राप्त होगी मां लक्ष्मी की कृपा

यदि आप मार्गशीर्ष महीने में भगवान श्रीकृष्ण की कृपा व आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको उनके मंत्रों का जाप जरूर करना चाहिए। मार्गशीर्ष महीने में जप-तप करना शुभ फलदायी माना गया है। सनातन धर्म में मार्गशीर्ष महीने को अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण की विशेष रूप से पूजा-अर्चना करने का विधान है। माना जाता है कि यदि आप मार्गशीर्ष महीने में भगवान श्रीकृष्ण की कृपा व आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको उनके मंत्रों का जाप जरूर करना चाहिए। मार्गशीर्ष महीने में जप-तप करना शुभ फलदायी माना गया है। इसके अलावा इस महीने पवित्र नदियों में स्नान करना भी शुभ माना जाता है। साथ ही मार्गशीर्ष माह में दक्षिणावर्ती शंख की पूजा करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिणावर्ती शंख की पूजा के विधान और महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।

दक्षिणावर्ती शंख की पूजा का महत्व-धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक मार्गशीर्ष माह भगवान श्रीकृष्ण का महीना माना जाता है। इस महीने मां लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि जो भी व्यक्ति के जीवन में समस्याएं चल रही हैं, उसको मार्गशीर्ष महीने में भगवान श्रीकृष्ण और मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इससे व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य की वृद्धि होती है। साथ ही मार्गशीर्ष महीने में दक्षिणावर्ती शंख की पूजा करने का भी महत्व होता है। इस महीने शंख की पूजा करने से व्यक्ति को धन-संपदा की प्राप्ति हो सकती है और वास्तु दोष से भी मुक्ति मिलती है। बता दें कि दक्षिणावर्ती शंख को मां लक्ष्मी का भाई माना जाता है।

पूजा के नियम-शंख को हमेशा लाल रंग के कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए। क्योंकि लाल रंग मां लक्ष्मी को अतिप्रिय होता है। शंख में गंगाजल भरकर श्री लक्ष्मी सहोदराय नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। शंक को घर के मंदिर या फिर पूजा स्थल पर स्थापित करना चाहिए। मार्गशीर्ष माह में शंख के सामने प्रतिदिन घी का दीपक जलाना चाहिए। शंख को बजाने के दौरान मुंह हमेशा दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए।

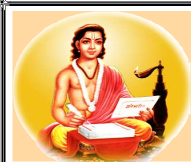

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1l.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✻ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

मुक्ति के लिए पहले मोक्ष का मर्म समझें

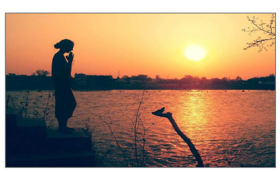

मन ही बंधन का कारण है, तो वही मोक्ष का माध्यम भी। पूरी दुनिया सदियों से मोक्ष यानी बंधन से मुक्ति का मार्ग तलाश रही है। पर, वेदांत सिद्धांत कहता है कि आत्मा ही शुद्ध है और यह संसार भ्रम। जो इस बात को समझने में सफल हो गया, उन्हें बंधन से मुक्ति का मार्ग भी मिल जाता है। मन एव मनुष्याणां कारणं बंधमोक्षयो' यानी मन ही तुम्हारे बंधन और मोक्ष का कारण होता है। मन से ही बंधन होता है और मन से ही मुक्ति होती है। बंधा कौन है? जो विषयों की आसक्ति में है। मुक्त कौन है? जिसका मन निर्विषय हो गया। सामान्य धारणा यही होती है कि मुक्ति का मतलब है कि दोबारा जन्म न हो। इसी संदर्भ में रवीन्द्रनाथ टैगोर कहते थे कि जब मैं प्रभु को प्यार करता हूं तो फिर प्रभु की सृष्टि को भी प्यार कैसे न करूं? एक बार नहीं, मैं तो हजारों बार इसी धरा पर जन्म लेना चाहूंगा। उस प्यारे की जो सृष्टि है, वह भी प्यारी है। ऐसे ही एक ज्ञानी से किसी ने पूछा कि क्या आपको मुक्ति नहीं चाहिए? ज्ञानी ने कहा कि अगर मुक्ति का मतलब यह है कि जन्म नहीं होगा तो जाओ, मुझे तुम्हारी मुक्ति भी नहीं चाहिए। लोग अमूमन यही सोचते हैं कि संसार बुरी जगह है और यहां दोबारा पैदा न होना मुक्ति है। जबकि ज्ञानी की दृष्टि है कि विषय की आसक्ति न रहे, यही मुक्ति है। संसार असार है, यह जानना ही मुक्ति है।कबीर जी सारी जिंदगी बनारस में रहे और शरीर जाने का जब समय आया तो जाकर मगहर में बस गए। लोगों ने कहा, 'कबीर जी! क्या करते हो? लोग यहां आते हैं मरने और तुम काशी छोड़कर जा रहे हो?' कबीर जी बोले, 'जो मेरी मुक्ति मेरी साधना से हो, तो वह मुक्ति मुक्ति है। अगर किसी जगह में मरने से मुक्ति हो, तो ऐसी मुक्ति मुझे नहीं चाहिए। जैसा मगहर तैसी काशी, मेरे लिए सब बराबर हैं।'वेदान्त सिद्धांत कहता है कि आत्मा ही शुद्धस्वरूप है, यह जानना ही मुक्ति है। यह निश्चय हो जाना कि 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नापर।' ब्रह्म ही सत्य है। ब्रह्म मतलब बड़ा, ब्रह्म मतलब व्यापक, ब्रह्म मतलब सत्यस्वरूप, ब्रह्म मतलब चेतनस्वरूप। संसार मिथ्या है अर्थात् भ्रम है। इस बारे में मन में कोई संशय न रहना ही मोक्ष है। लेकिन जिसने ठीक से साधना नहीं की है, शरीर से देह भाव नहीं तोड़ा है, वह हमेशा संशय से घिरा ही रहता है। उसके लिए मोक्ष का पाठ कठिन है। और याद रहे, शरीर से आसक्ति अगर है तो तुम इस दुनिया के मायावी बंधन में हो। चूंकि शरीर में आसक्ति है, इसलिए संसार में आसक्ति है। अगर शरीर में आसक्ति न होती तो संसार में भी आसक्ति क्यों होती? ममता बाहर संसार में नहीं है, तुम्हारी ममता तुम्हारे शरीर में है। यही ममता है, यही आसक्ति है, यही तुम्हारा बंधन है। जिस दिन ये छूट गए, उस दिन तुम मुक्त स्वरूप हो।'मैं मुक्त कैसे होऊं?' एक ऐसा सवाल जिससे हर कोई जूझ रहा है। इसके लिए आसक्ति को छोड़ना ही पड़ेगा। आसक्ति का बंधन तोड़ना इसलिए जरूरी है क्योंकि यही हमको वास्तव में मनुष्य बनाता है। पशु अपने प्राकृतिक वेगों से जीता है। जैसे ही भूख लगी, वह खाने के लिए दौड़ पड़ेगा। वह शुद्ध-अशुद्ध का विचार नहीं करेगा, मेरे-तेरे का विचार नहीं करेगा। लेकिन आप मनुष्य हैं, आपको ये सब विचार करने पड़ते हैं। आप अपने वेगों से नहीं जी सकते। अगर आप अपने वेगों से जीने लग जाएं तो आपमें और एक पशु में क्या अंतर है? वेग से नहीं, बुद्धि से जो जिए, उसे मनुष्य कहते हैं। मननशील होकर जो जिए, उसे मनुष्य कहते हैं। मनुष्य के दुख का कारण उसकी विषयासक्ति है और कुछ भी नहीं। मन बंधा है विषय से। यही तुम्हारा बंधन है। इस बंधन से बाहर आने के लिए विचार चाहिए। मन की बेवकूफियां हटानी चाहिए। चित्त को समझना होगा कि अगर हम विषय की आसक्ति बना कर रखेंगे, देह से आसक्ति बनाकर रखेंगे, तो हम बंधन में हैं। और याद रहे! जो बंधन में है, वह कभी सुखी नहीं रह सकता है।

क्या आप जानते हैं महाकुंभ से कितना अलग है अर्धकुंभ, पूर्णकुंभ और सिंहस्थ कुंभ

हर साल पौष माह की पूर्णिमा तिथि को महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। इसदिन से शाही स्नान की भी शुरूआत होती है। बता दें कि इस बार साल 2025 में महाकुंभ मेला लगने जा रहा है।

सनातन धर्म में महाकुंभ का मेला आस्था और संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। हर 12 सालों में चार पवित्र स्थानों पर महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक हर साल पौष माह की पूर्णिमा तिथि को महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। इसदिन से शाही स्नान की भी शुरूआत होती है। बता दें कि इस बार साल 2025 में महाकुंभ मेला लगने जा रहा है। जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं महाकुंभ मेला अर्धकुंभ, पूर्णकुंभ और सिंहस्थ कुंभ से कितना अलग है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको महाकुंभ मेला, अर्धकुंभ, पूर्णकुंभ और सिंहस्थ कुंभ के बारे में बताने जा रहे हैं।

अर्धकुंभ का महत्व- अर्ध का आशय आधे से होता है। बता दें कि हरिद्वार और प्रयागराज में हर 6 सालों में कुंभ मेले के बीच अर्धकुंभ का आयोजन होता है। इसको छोटे स्तर का कुंभ का कहा जाता है।

पूर्णकुंभ का महत्व-वहीं पूर्णकुंभ हर 12 सालों में आयोजित होता है। हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार, देवताओं के 12 दिन मनुष्यों के 12 साल के बराबर होते हैं। इसी वजहसे 12 साल में पवित्र स्थल पर पूर्णकुंभ का आयोजन किया जाता है। हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और उज्जैन में पूर्णकुंभ आयोजित किया जाता है।

सिंहस्थ कुंभ का महत्व -सिंहस्थ कुंभ विशेष रूप से उज्जैन और नासिक में आयोजित किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक सिंहस्थ कुंभ का संबंध सिंह राशि से होता है। जब देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में और सूर्य मेष राशि में होते हैं। तब इन जगहों पर सिंहस्थ कुंभ का आयोजन होता है।

महाकुंभ मेले का महत्व-बता दें कि केवल प्रयागराज में हर 144 वर्षों के अंतराल में महाकुंभ आयोजित होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, कुल 12 में से 4 कुंभ का आयोजन धरती पर होता है और बाकी के 8 कुंभ का आयोजन देवलोक में किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक जब सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह एक खास स्थिति में होते हैं। तब महाकुंभ का आयोजन किया जाता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परंतु आत्मसंयत भी रहें। परिवार में शांति बनाए रखने का प्रयास करें। किसी मित्र या परिचित के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। किसी दूसरे स्थान पर भी जा सकते हैं।

वृषभ – धैर्यशीलता में कमी रहेगी। मन शांत रहेगा। संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। संतान सुख में वृद्धि हो सकती है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। किसी दूसरे स्थान पर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

मिथुन – मन शांत रहेगा। संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। संतान सुख में वृद्धि हो सकती है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

कर्क – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा परंतु मन परेशान रहेगा। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है । वाहन के रखरखाव तथा खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

सिंह – आत्मविश्वास में कमी आएगी। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाई आ सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भवन के रखरखाव तथा साज सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ सकते हैं।

कन्या – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। वाहन सुख में कमी आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार में सुस्ती आ सकती है। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन में उतार चढ़ाव हो सकते हैं। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। कुटुम्ब की किसी बुजर्ग महिला से धन मिल सकता है। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

वृश्चिक – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। पिता का सानिध्य मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, परंतु कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। संतान सुख में वृद्धि होगी।

धनु – मन प्रसन्न रहेगा, परंतु संतान के स्वास्थ्य के लिए परेशान हो सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर – वाणी में मधुरता तो रहेगी परंतु मन परेशान रहेगा। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रखरखाव तथा वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा।

कुंभ – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

मीन – दांपत्य सुख में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के परिवार को किसी महिला से धन की प्राप्ति हो सकती है। संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में ई-केवाईसी करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर

जयपुर (संस्कार सृजन)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं भारत सरकार के निर्देशों की अनुपालना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राजस्थान के चयनित सभी लाभार्थियों को ई-केवाईसी करवाई जा रही है ।

इसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर थी। अब यह अंतिम तिथि 31 दिसंबर कर दी गई है। उन्होंने बताया कि लाभार्थी उचित मूल्य की दुकान पर व्यक्तिशः जाकर ई-केवाईसी करवाना सुनिश्चित करें अन्यथा उनका नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटा दिया जायेगा।

वहीं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि विभाग द्वारा चलाये जा रहे गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा सूची से सक्षम व्यक्ति अपना नाम आगामी 31 जनवरी तक स्वेच्छा से हटा लें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इनका नाम हटाने से खाद्य सुरक्षा सूची में पात्र लाभार्थियों को जोड़ा जा सकेगा । इसकी जागरूकता के लिए राशन की दुकानों पर पोस्टर लगवाये जाए, साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। आगामी 1 जनवरी से खाद्य सुरक्षा पोर्टल शुरू होगा।

मोहन डागर राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

आमेर (संस्कार सृजन)। आमेर तहसील के खोरा बीसल निवासी उप जिलाप्रमुख मोहन डागर को राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन में राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय सचिव बनने पर डागर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, पूर्व अध्यक्ष RGPRS मिनाक्षी नटराजन एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

गौरतलब है कि डागर कांग्रेस पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ताओं में आते हैं। डागर 1994 से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन में प्रदेश महासचिव, वर्ष 1998 में युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष, 2005 में पंचायत समिति आमेर में सदस्य चुने गए। 2010 से 2013 तक जयपुर ग्रामीण युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे । 2015 में जिला परिषद सदस्य सदस्य के साथ जिला परिषद में नेता प्रतिपक्ष एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सचिव के रुप में रहे। 2021 में जयपुर जिला परिषद के सदस्य चुने गए एवं उप जिलाप्रमुख बने। इसके साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव के पद पर ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं । डागर एक साधारण किसान परिवार से आते हैं, जो खेती-बाडी व्यवसाय से जुड़े हैं । जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं।

जनकल्याण खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थान के प्रशिक्षण शिविर का किया निरीक्षण

चौमूं (संस्कार सृजन)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग राजस्थान सरकार द्वारा जनकल्याण खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थान,चौमूं की तरफ से जगतपुरा में चल रहे कतिन बुनकर महिलाओं के प्रशिक्षण शिविर का ओंकारमल गहलोत ने निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष गंगाराम वर्मा, संस्था सचिव पूरण वर्मा, संस्था सदस्य देवीलाल वर्मा ने प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया एवं खादी आयोग द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यो के बारे में बताया।

(कहानी)

गुप्त धन का रहस्य

एक समय की बात है, एक गांव में दो भाई रामू और श्यामू रहते थे। उनके दादाजी ने अपने जीवनकाल में बहुत सारा धन कमाया था और ये अफवाहें थीं कि इस धन को उन्होंने कहीं गुप्त स्थान में छिपा कर रखा है। दादाजी की मृत्यु के बाद, यह रहस्यमय धन गांव वालों के बीच बड़ी चर्चा का विषय बन गया।

रामू और श्यामू दोनों के दिलों में इस धन की खोज की तीव्र इच्छा थी, लेकिन स्वभाव से दोनों बहुत अलग थे। रामू मेहनती और धैर्यवान था, जबकि श्यामू को सब कुछ आसानी से और जल्दी में चाहिए होता था।

एक दिन श्यामू ने रामू से कहा, भाई, हमें दादाजी के छुपाए धन को ढूंढना चाहिए। वह हमारे जीवन को सरल और आरामदायक बना देगा।

रामू ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा, मैं भी यही सोच रहा था। हमें वह धन ढूंढने के लिए गांव के पुराने लोगों और दादाजी के मित्रों से मिलना चाहिए।

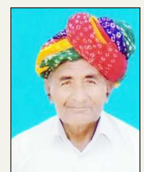

प्रभाती लाल सैनी

उन दोनों ने अपनी खोज शुरू की। श्यामू ने कुछ ही दिनों में खोज त्याग दी, उसे वह धन जल्दी चाहिए था। वहीं रामू ने गांव के बुजुर्गों से बात की, अपने दादाजी के पुराने दोस्तों की शरण ली और पुरानी किताबों और नक्शों की गहन जांच की।

अंत में उसे एक सुराग मिला। एक पुरानी किताब में एक कविता थी जिसमें धन छिपाने का संकेत मिला। कविता कुछ इस प्रकार थी-

जहाँ पूरब में सूरज नमस्कार करता,
और पीपल की छाया नीचे समाधि पर पड़ता,
वहाँ खोदो और देखो तुम क्या पाते हो,
दादा की दौलत तुम्हारे इंतज़ार में सोती हो।

रामू ने तत्पर होकर पूरब की दिशा में स्थित पीपल के पेड़ को खोजा, जिसकी छाया समाधि पर पड़ती थी। उसने उस स्थान की खुदाई शुरू की और एक बड़ा संदूक पाया, जिसमें सोने के सिक्के, जवाहरात और कीमती पत्थर भरे हुए थे। उसने इसे श्यामू के साथ बाँट लिया, जो उसकी इस सफलता पर हैरान था।

रामू की मेहनत, धैर्य और बुद्धिमत्ता ने उसे वह धन दिलाया, जबकि श्यामू को उसकी आलस्य और अधीरता ने निराश किया।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि धैर्य और निरंतर प्रयत्न से ही सफलता मिलती है।

(कविता)

न मिला

एक उम्र खरच कर कुछ न मिला
तुमको क्या पता सचमुच न मिला
क्या हुआ है कोई धरती पर
के जिसको थोड़ा भी दुःख न मिला

अपार हर्ष के साथ सहर्ष
निज आगमन को स्वीकार किया
कुछ ही सपनों का जीवन में
फिर से जीर्णोद्धार किया
धीरज को जेहन तक ले जाए
ऐसा कोई सम्मुख न मिला
क्या हुआ है कोई धरती पर
के जिसको थोड़ा भी दुःख न मिला

जीवन में हर दिन बाधा लेकर
कभी पूरा तो कभी आधा लेकर
आदमी सुखी रहा है कभी?
कम या थोड़ा ज्यादा लेकर
आदमी कभी तृप्त हुआ ही नहीं
फिर कैसे कहे के कलुष न मिला
क्या हुआ है कोई धरती पर
के जिसको थोड़ा भी दुःख न मिला

आदमी क्या कभी निर्विवाद रहा
क्या जीवन भर वो आबाद रहा
जिसे भूल गया उसे याद किया
जो भूल गया उसे याद रहा
फिर जीवन भर ये खेल चला
और मानुष को भल मानुष न मिला
क्या हुआ है कोई धरती पर
के जिसको थोड़ा भी दुःख न मिला

-सिद्धार्थ गोरखपुरी

सेवानी ग्रुप ऑफ कंपनीज और दिशा क्लासेज का गेट टूगेदर कार्यक्रम शुरू

❑ चौमूं - जयपुर की करीब 25 फैमिली ने किया पार्टिसिपेट ❑ सेवाधारी नरेंद्र कुमार सेवानी ने बतायी फ्यूचर फाइनेंसियल प्लानिंग

जयपुर (संस्कार सृजन)। गॉड शिवा की असीम कृपा से नंबर वन बिजनेस ग्रुप सेवानी ग्रुप ऑफ़ कंपनीज एंड दिशा क्लासेस के तत्वावधान में चौमूं शहर के जयपुर रोड स्थित होटल ली ग्रैंड में गेट टूगेदर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चौमूं - जयपुर की करीब 25 फैमिली ने पार्टिसिपेट किया। सभी ने होटल ली ग्रैंड के रूफटॉप मल्टीकूजिन रेस्टोरेंट का आनंद लिया।

सेवानी ग्रुप ऑफ कंपनीज और दिशा क्लासेज के सेवाधारी नरेन्द्र सेवानी ने बताया कि हमारी कंपनी मेडिसिन,एफएमजीसी,एजुकेशन और ग्रॉसरी के क्षेत्र में लगातार सफलता के कदम चूम रही है । इसी के साथ आज इंटरनेशनल स्तर पर फ्रुट्स बिजनेस की लॉन्चिंग की गयी। प्रतिदिन खुश रहकर परिवार के साथ गेट टूगेदर कार्यक्रम में बताया कि हमारा जीवन अनमोल है इसको सुरक्षित करना भी जरूरी है । फैमिलीज़ चर्चा के दौरान सेवाधारी सेवानी ने जीवन को सुरक्षित करने के लिए टाटा ग्रुप के विभिन्न प्लान्स की जानकारी दी, जिससे की प्रतिदिन एक छोटी सी बचत से स्वयं के भविष्य के साथ पूरे परिवार को भी सुरक्षित किया जा सकता है । इससे बच्चों की उच्च शिक्षा,शादी,जॉब एवं व्यापार के साथ अपने सभी सपनों को आसानी से साकार किया जा सकता है। इस दौरान टाटा एआईए जयपुर वैशाली नगर ब्रांच के मेनेजर लोकेश जैन, श्रद्धा शर्मा, सेल्स पार्टनर राधेश्याम सैनी, सीनियर सेल्स मेनेजर शिल्पा प्रकाश शर्मा और अभिकर्ताओं ने विभिन्न प्लान्स की डिटेल्स साझा की।

ली ग्रैंड होटल के रूफटॉप मल्टीकूजिन रेस्टोरेंट की पहली बुकिंग सेवानी ग्रुप ऑफ कंपनीज के नाम रही। सभी फैमिलीज ने सेवानी परिवार के साथ बैठकर खाना खाया।

जिससे सभी में खुशी का अहसास देखने को मिला। इसी के साथ लाइव बैंड पर सिंगिंग, डांसिंग और अन्य कार्यक्रमों का जमकर लुत्फ़ उठाया। सिंगर दीपक ने मेल फीमेल दोनों की आवाज़ में गाना गाकर सभी को अचंभित कर दिया। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि प्रतिदिन खुश रहकर परिवार के साथ कैसे समय व्यतीत किया जाए।

सेवाधारी नरेंद्र कुमार सेवानी ने बताया कि मैं 1 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक चौमूं में रहकर सेवानी ग्रुप ऑफ कंपनीज,दिशा क्लासेज और टाटा एआईए के एम्प्लोइज के साथ एक छोटी सी बचत से फ्यूचर फाइनेंसियल प्लानिंग के साथ कैसे खुद को सुरक्षित रखें इसकी जानकारी चौमूं एवं आस पास के लोगों को दूंगा ।

इस दौरान चौमूं थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा, सुनील कुमार अग्रवाल,जीएस शर्मा, अनुराग झालानी, रूपेंद्र सिंह शेखावत, मुकेश गुरनानी,अंकित सोनी,गोपाल शर्मा सहित कई नामी गिरामी हस्तियों की फैमिली मौजूद रही।

कार्यक्रम में होटल ली ग्रैंड से जनरल मैनेजर मुकेश कुमार, एफ एंड बी मैनेजर रामकुमार, शेफ दिलीप शेखावत, फ्रंट ऑफिस विनोद सेन, हाउस कीपिंग सुखदेव वर्मा और अकाउंटेंट कृष्णकांत ने टीम सहित भरपूर सहयोग किया । साथ ही ड्रीम स्टूडियो के राजेश और टैलेंट प्रिंटर्स के कैलाश तिवाडी का भी सहयोग रहा।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ली संगठनात्मक बैठक

चौमूं (संस्कार सृजन)। आज सुभाष सर्किल स्थित भाजपा कार्यालय पर संगठन महापर्व- 2024 के अंतर्गत कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं से सक्रिय सदस्यता, बूथ संरचना व विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

इस मौक़े पर नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, बांसा मंडल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, कालाडेरा मंडल अध्यक्ष बनवारी शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष गोपाल डेनवाल, पूर्व प्रधान महेश मीणा, रामावतार कुलदीप, सदस्यता अभियान सहसंयोजक एनआर यादव, कालूराम जाट, मुकेश चोपड़ा, संदीप शर्मा, बाबूलाल सैनी, राहुल बागडा, आलोक जांगिड, मोहन यादव, बलवीर शर्मा, राजकुमार सैनी, अशोक शर्मा, ओमप्रकाश बुनकर, रामेश्वर बिरानिया, मोहन नायक, वासुदेव पंचोली, मुरारी शर्मा, रामकिशोर यादव, सरदार जाखड़, महेश योगी, राहुल शर्मा, विष्णु नागर, सोहन कुमावत, महेश सेरावत, संदीप कुमावत, धर्मेंद्र बंजारा, बजरंग कुमावत, कमलेश शर्मा, सुल्तान गुर्जर, राजकुमार गरेड़, मोहन यादव, दीपक शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल अरेस्ट जैसी समस्या से सावधान रहे - पुलिस अधीक्षक जेष्ठा मैत्रेई

भिवाड़ी (संस्कार सृजन)। डिजिटल अरेस्ट जैसी समस्या के समाधान के लिए भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक जेष्ठा मैत्रीयेई की पहल पर इनाया फाउंडेशन और आरएचआई मैग्नेसीटा की और से जारी पोस्टर का विमोचन किया।

पोस्टर का विमोचन करते हुए भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक जेष्ठा मैत्रेई ने कहा की आज जनता के सामने डिजिटल अरेस्ट एक बहुत ही गंभीर समस्या है। इससे आगे उन्होंने कहा की देश की आम जनता को वाट्सप कॉल के माध्यम से, फेंक कॉल के माध्यम के, कभी फर्जी बैंक के कर्मचारी बन कर तो कभी फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ये लोग फ़ोन कर ठगते हैं। इन जलसाजों के चक्कर मे आकर लोग आये दिन ठगे जा रहे हैं, जिससे सचेत होने की जरुरत है। किसी अनजान व्यक्ति का कॉल रिसीव ना करें और बैंक से सम्बंधित कॉल पर अपने बैंक ब्राँच में जाकर पता करें। पुलिस के मामले मे थाने मे जाकर पता करें साथ ही AI जैसी टेक्नोलॉजी से आने वाले कॉल पर विश्वास ना करें। इस अवसर पर इनाया फाउंडेशन की सचिव नीतिशा शर्मा ने बताया की आम जन को जागरूक करने के लिए इनाया फाउंडेशन की टीम पूरे भिवाड़ी ब्लॉक के स्कूल कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर इन पोस्टर्स को लगाकर आम जन को जागरूक करने के प्रयास किये जायेंगे।

साई मंदिर में सजाई साई बाबा की मनमोहक झांकी

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं तहसील के ग्राम ईटावा भोपजी स्थित श्री शिरडी साई मंदिर में गुरुवार को साईनाथ की मनमोहक झांकी सजाई गई । मंदिर महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत के सानिध्य में फूलों से बाबा का मनमोहक श्रृंगार कर झांकी सजाई गई, जिसको देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे।

मंदिर महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने बताया कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन से बाबा के दरबार में आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं ।

तुलसी नगर भ्रमण एवं गौरक्षा शोभायात्रा 25 दिसंबर को

जयपुर (संस्कार सृजन)। सर्व समाज जागृति संघ के तत्वावधान में माँ नव दुर्गा शक्तिपीठ मंदिर जयपुर रोड चौमूं में श्री श्री 108 श्री गिरधारी दास महाराज के सानिध्य एवं राष्टीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में दिनांक 25 दिसंबर को विशाल तुलसी नगर भ्रमण एवं गौ रक्षा शोभायात्रा को लेकर बैठक का आयोजन हुआ।

इस दौरान विराज फाउंडेशन प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने बताया कि 25 दिसंबर को तुलसी दिवस के उपलक्ष्य पर तुलसी नगर भ्रमण एवं गोरक्षा शोभायात्रा बैंड बाजा, बग्गी, ऊंट-घोड़े आदि लवाजमे के साथ चौमूं के मुख्य मार्गो से निकाली जाएगी। बैठक में कैप्टन श्रीराम शर्मा, ओम प्रकाश रीडर, डॉ. रामप्रकाश शर्मा, डॉ. बंशीधर शर्मा, डॉ. सीताराम कुमावत, डॉ. एमके अग्रवाल, डॉ. पवन कुमार तिवाडी, राजेश महेश्वरी, चंद्रप्रकाश शर्मा, नारायण लाल शर्मा, मक्खन लाल शर्मा, मुकेश दीक्षित, भवानी शंकर शर्मा, नरेंद्र लालानी आदि लोग उपस्थित रहे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी